ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा

ब्रजेश्वर भगवान श्री कृष्ण की लीला भूमि अपना एक अनूठा महत्व रखती है। भगवान श्री कृष्ण और उनकी आल्हादिनी शक्ति श्री राधा की लीला स्थली चौरासी योनि का चक्कर मिटाने के लिए चौरासी कोसों के परिमाप में फैली हुई है। ऐसी मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण जब भूलोक में अवतरण करते हैं तो श्री राधा जी ने भाव व्यक्त किया कि जिस स्थान पर वृन्दावन नहीं, यमुना नदी नहीं, श्री गिरी गोर्धन नहीं, ऐसे स्थान पर मेरा जाने का मन नहीं करता। इसलिए श्री हरि ने निज धाम से चौरासी कोस भूमि गोर्धन, यमुना नदी पृथ्वी तल पर प्रकट किये। ये समागत चौरासी कोस चौईस वन उपवन जिनमें वृन्दांवन, काम वन, बद्रीवन, लठ्ठावन (डीग), गहरवन, तालवन, मधुवन, लोहावन, भाण्डीरवन (राधा–कृष्ण का जहां विवाह हुआ था), बेलवन, कोकलावन इत्यादि जो सर्वलोकों में वंदित है। इसी प्रकार विमल कुण्ड, राधा कुण्ड, गया कुण्ड, मानसी गंगा, आदि पवित्र सरोवर प्रकट किये गये। ब्रजवासियों को ब्रज क्षेत्र से बाहर तीर्थ करने के लिए जाना नहीं पड़े इसलिए सभी तीर्थो को प्रतीकात्मक रूप में भगवान श्री कृष्ण ने इस ब्रज चौरासी कोस परिधि में प्रकट किये।

ब्रज चौरासी क्षेत्र राजस्थान जिले की डीग व कांमा तहसील में फैला हुआ है। ब्रज चौरासी कोस मार्ग में निम्न प्रमुख गांव आते हैं :–

1. बरोनी चौथ।
2. पूंछरी का लोठा
3. सेऊ
4. कनवाड़ा कदमखण्डी
5. घाटा
6. कामां
7. बिलोद
8. अलीपुर
9. खोह
10. बद्री गांव
11. गुहाना
12. परमदरा
13. दिदावली
14. डीग

इन सभी स्थानों के साथ में भगवान श्री कृष्ण की लीला एवं अलौकिक घटनाऐं जुड़ी हुई हैं।

कामां – प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. **विमल कुण्डः** कामां की पूर्व दिशा में यह पवित्र सरोवर स्थित है। इसके चारों और परिक्रमा मार्ग पर स्थित मन्दिर दर्शनीय है। श्री विमल कुण्ड की उत्पति के सम्बन्ध में गर्ग संहिता के माधुर्य खण्ड के अनुसार राजा विमल ने महर्षि यज्ञवल्क्य के आर्शीवाद से अपनी पुत्रियों को श्री कृष्ण को समर्पित कर भगवान का सारूप्य प्राप्त किया था। इस स्थान पर श्री कृष्ण के रास में उनकी विमल कुमारियों के नेत्रों से जो आनन्द जनित अश्रुओं से विमल कुण्ड उत्पन्न हुआ।
2. **भोजन थालीः** यहां पर श्री कृष्ण ने अपने सखाओं के साथ पत्थर पर भोजन किया था। उनका निशान आज भी अंकित है।
3. **चरण पहाड़ीः** इस पर भगवान श्री कृष्ण के चरणों के निशान बने हुए हैं।
4. **धर्म कुण्डः** पाण्डुओं का अज्ञातवास स्थान जहां पर राजा युधिष्ठर ने यक्ष प्रश्नों का उत्तर दिया था।
5. **व्योमासुर की गुफाः** यहां पर व्योमासुर राक्षस का श्री कृष्ण ने वध किया था।
6. **कदमखण्डीः** इस स्थान पर भगवान श्री कृष्ण गोपियों के साथ रास किया था, आज भी भाद्रपद महिने की चतुर्दशी को रास लीला का आयोजन होता है।

इसी क्षेत्र में बरसाना, श्री राधा जी की जन्मस्थली है तो ऊंचा गांव बरसाना से 3 किलोमीटर दूर ललिता सखी का जन्म स्थान है। सुन्हॅरा (कदमखण्डी) श्री चम्पकलता का जन्म स्थान है।

ब्रज चौरासी कोस यात्रा किसी न किसी धर्माचार्य के सानिध्य में की जाती है, जिनमें प्रमुख वैष्णव आचार्य, नागा साधु एवं अन्य धर्माचार्यो द्वारा संचालित की जाती है। वैष्णव पुष्टि मार्गी यात्रा भाद्रपद शुक्ला एकादशी को मथुरा के विश्रामघाट से आरम्भ होती है। नागा साधु यात्राओं में वृन्दावन से भादों की अमावस्या को आरम्भ होती है। ब्रज रक्षक दल के संयोजक श्री रमेश बाबा कार्तिक माह में गहवरवन बरसाना से यात्रा आरम्भ करते हैं। यह यात्रा लगभग चालीस दिन में पूर्ण होती है।

बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के विकास कार्यो के संबंध में।

(A) देवस्थान विभागः– देवस्थान विभाग द्वारा बृज चौरासी परिक्रमा मार्ग में निम्नांकित निर्माण/मरम्मत कार्य करवाये गये है :–

क्र.स.	कार्य का नाम	कार्य स्वीकृति	स्वीकृत राशि (लाखो में)	व्यय राशि	विशेष विवरण
1.	मरम्मत एवं जीर्णोद्वार कार्य मंदिर श्री लक्ष्मण जी, डींग	2003–04	7.00	7,17,162	कार्य पूर्ण
2.	मरम्मत एवं जीर्णोद्वार कार्य मंदिर श्री गंगा जी, कांमा	2004–05	2.00	2,36,766	कार्य पूर्ण
		कुल योग	**9.00**	**953928**	

(B) देवस्थान विभागः– देवस्थान विभाग द्वारा बृज चौरासी परिक्रमा मार्ग में प्रस्तावित निर्माण/मरम्मत कार्य :–

क्र.स.	कार्य का नाम	प्रस्तावित राशि (लाखो में)	विशेष विवरण
1.	मंदिर श्री मोहन जी, पुरानी डीग की मरम्मत का कार्य	2.00	
2.	मंदिर श्री राधा माधव, वृन्दावन में रैलिंग का कार्य सफाई व पत्थरों की पॉलिश, कैंटीन एवं पार्किग की व्यवस्था, सामान्य मरम्मत एवं गैस्ट हाऊस में रख–रखाव	30.00	
3.	मंदिर श्री कुशल बिहारी जी, बरसाना में वाटर स्टोरेज टैंक, नीचे से पहाड़ तक सड़क का निर्माण एवं चौड़ीकरण का कार्य तथा मंदिर का सामान्य रख–रखाव।	18.50	
	कुल योग	**50.50**	

(C) अतिरिक्त स्वीकृत कार्य :–

क्र.स.	कार्य का नाम	स्वीकृत राशि (लाखो में)	स्वीकृति दिनांक	विशेष विवरण
1.	श्री गिर्राज जी परिक्रमा मार्ग में सुधार एवं सौन्दर्यीकरण	30.00	28.5.2007	